15वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

गम्हरिया। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ओर से ठोस योजना बननी चाहिए। हमारे देश में करीब 120 करोड़ जनसंख्या होने के बावजूद खेल के क्षेत्र में हम आशातित विकास नही कर पाये हैं जबकि दक्षिण अफ्रिका, अस्ट्रेलिया, चीन आदि देश हमसे काफी आगे है। उपरोकत बातें स्वर्णरेखा परियोजना के प्रशासक के0 श्रीनिवासन ने झारखंड राज्य कुश्ती संघ की ओर से गम्हरिया के टीजीएस कॉलोनी परिसर स्थित अरुणोदय क्लब मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 15वीं राज्य स्तरीय सीनियर झारखंड राज्य महिला व पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह के मौके पर कही। उन्होने खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन कर राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की अपील किया। इस मोके पर बतौर विशिष्ट अतिथि संघ के महासचिव भोलानाथ सिंह उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के 22 जिले के करीब चार सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। बताया गया है कि प्रतियोगिता में अव्वल प्रतिभागियों को केरल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष सुनील सिंह, राज्य खो-खो संघ के महासचिव सह सरायकेला कुश्ती संघ के महासचिव अखिलेश्वर प्रसाद, शशिकांत प्रसाद, अनिल झा, सुरेश नारायण चौधरी आदि उपस्थित थे।

दुर्घटना में ससुर-दामाद की मौत

पलामू। डालटनगंज-रांची मुख्य मार्ग पर सतबरवा ओपी अंतर्गत पोखराहा गांव के पास आज सुबह एक सवारी गाड़ी के धक्के से मोटरसाइकिल पर सवार ससुर-दामाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। दोनों वाहनों में इतनी जोरदार टक्कर हुई कि मोटरसाइकिल के परखचे उड़ गये। जानकारी के अनुसार दामाद अपने ससुर को बारी गांव छोड़ने जा रहा था। मृत ससुर नैमुल खां उर्फ कल्लु खां सतबरवा के बारी गांव के ही निवासी थे। जबकि दामाद रकीबुल खां गढवा के मझिआंव के रहने वाले थे। बताया जाता है कि नैमुल खां कुछ दिन पूर्व अपने दामाद रकीबुल खां से मिलने उनके गांव गये थे।

नामधारी नन बैंकिंग में फंसे निवेशक ग्राहकों में बढ़ी रोष

पलामू। एवीआइ नन-बैंकिंग नामधारी बैंक के मालिकों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने से निवेषक ग्राहकों में रोश व्याप्त है। ज्ञात हो कि डालटनगंज षहर में नामधारी परिवार के दिषा-निर्देषन में तीन नन-बैंकिंग कंपनियों का संचालन किया जाता था। जिसमें यहां के निवेषकों के करोड़ों रुपये जमा पूंजी का अबतक अता-पता नहीं है। जब ग्राहक प्रषासन के पास बैंक के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जाते हैं, तो उन्हें इससे जल्द छुटकारा दिला देने की बात कहकर वापस भेज देता है। सनद हो कि स्थानीय प्रभावषाली नेता सह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी के पास ग्राहक इसकी षिकायत करते हैं, तो उनका जवाब भी संदेहास्पद होते हैं, क्योंकि उनके लब्ज से ग्राहकों को बोलना कि आप हमसे पूछकर पैसे जमा किये थे। उक्त बैंक द्वारा ग्राहकों को जो चेक जारी किये गये हैं, वह भी बैंक में जमा नहीं लिया जाता है। क्योंकि नामधारी बैंक के खाते में पैसे नहीं है, जिससे चेक बाउंस हो जाते हैं। बाउंस चेकों की राषि लगभग दो करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। बावजूद इसके किसी तरह के प्रषासनिक कार्रवाई अभी तक नजर नहीं आती। जबकि उक्त बैंक प्रबंधक भगवान सिंह नामधारी, सुखदेव सिंह नामधारी एवं दर्षनजीत सिंह नामधारी ने जुलाई, 2014 तक सभी ग्राहकों की जमा राषि भुगतान कर देने की घोशणा की थी। शहर के पढे-लिखे दर्जनों युवक इसके एजेंट थे। जिसमें अरूण कुमार नामक एजेंट ने स्वयं का छह लाख रुपये नगद उक्त बैंक में जमा किये थे। अरूण कुमार के बहन की षादी करनी अनिवार्य है। जो पैसे के अभाव में उनके कथनानुसार आत्महत्या करनी ही अंतिम विकल्प है। कई एजेंटों का यह भी कहना है कि ग्राहकों द्वारा न्यायालय में विधिवत इसकी लिखित षिकायत होनी चाहिए, जिसमें हमलोग पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

शहीद-ए-कर्बला की याद में

12 दिनों तक जलसा का आयोजन

पलामू। हैदरनगर के अंसार मुहल्ला एवं मस्जिद मुहल्ला में आषिक- ए-हुसैन कमेटी ने मुहर्रम के मौके पर जलसा का आयोजन किया। जलसा 12 दिनों तक चला। षुक्रवार को जलसा में बोलते हुए मौलाना जुनैद मिस्बाही ने कहा कि इस्लाम जिंदा होता है हर करबला के बाद। उन्होंने कहा कि दुनिया में हमेषा धर्म व अधर्म के बीच जंग होती रही है। उन्होंने कहा कि षहीद ए करबला की जंग भी धर्म व अधर्म के बीच ही थी। एक ओर हजरत मोहम्मद स0 के नवासे व उनके बेटी दामाद थे तो दूसरी ओर अधर्मी यजीद की फौज थी। उन्होंने कहा कि रहती दुनिया तक जीत हमेषा धर्म की ही होगी। करबला के मैदान में भी यही हुआ। यजीद की बेषुमार फौज के सामने यह थोडे से धर्मी नहीं झुके। उन्हें तरह तरह की तकलीफें दी गई, उनका पानी बंद कर दिया गया, बच्चों व महिलाओं पर जुल्म किए गये। फिर भी इस्लाम की खातिर उन्होंने सर कटा दिया। अंत में जीत इस्लाम की ही हुई। उन्होंने कहा कि उन्हीं षहीदों की याद में मुहर्रम मनाया जाता है। इस मौके पर नातखानों ने एक से बढकर एक नातिया कलाम पेष कर मौजूद लोगों को इष्क ए रसूल में डुबो दिया। इस मौके पर मौलाना तौसीफ रजा, मौलाना गुलाम रसुल, हाफीज मोहयुदीन साहब, मोलवी नयाजुदीन साहब ने भी तकरीर किया।

भाजपा प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

पलामू। छतरपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याषी राधाकृष्ण किषोर ने प्रखंड के लोटो, डुनडुर, लठेया, सरईडीह, लक्ष्मीपुर समेत कई गाँवों में जनसम्पर्क अभियान चलाया। इस दौरान इनके साथ उनके समर्थक रंजीत सिंह, रामाषिष सिंह, विकास कुमार सिंह, बैजनाथ सिंह, समेत बड़ी संख्या में उनके समर्थक शामिल थे।

वाहनों की चेकिंग जारी

पलामू। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पलामू एसपी के निर्देष पर छतरपुर पुलिस द्वारा षहर व आसपास के चौराहों पर छोटे-बडे वाहनों की चेकिंग लगातार की जा रही है। पुलिस नियमित रूप से थाना गेट के सामने पुलिस हर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही है। हालांकि अभी तक कोई गंभीर मामले की सूचना नहीं मिली है।

ट्रेन से युवक कटा, घटनास्थल पर ही मौत

पलामू। हमीदगंज निवासी युवक 26 वर्षीय ष्याम कुमार तिवारी की शनिवार की रात्रि ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। वह काम के सिलसिले में बनारस जा रहा था। इसी के तहत वह गाड़ी पकड़ने के लिए नीचे-नीचे ही लाइन क्रॉस कर रहा था। लेकिन उसके कान में हेडफोन लगे होने के कारण गाड़ी की आवाज नहीं सुन सका, जिसके कारण वह गाड़ी के चपेट में आ गया।

बाइक की डीकी से 95 हजार रुपये जब्त

पलामू। चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग के नहर मोड़ के समीप बाइक की डीकी से 95 हजार रूपये जब्त किया है। पुलिस युवक को थाना लाकर पूछताछ कर रही है। वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया युवक हुसैनाबाद थाना के पीपरवाल गांव का निवासी बताया है। वाहन चेक्रिग जांच में षामिल दंडाधिकारी आनंद कुमार सिंह के अलावा कई पुलिस शामिल थे।

पुलिस की चौकसी बढ़ी

पलामू। विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी गई है। सभी बोर्डर क्षेत्रों पर पुलिस की पैनी नजर है। पुलिस एक रणनीति के तहत उग्रवादी व अपराधियों के खिलाफ मुहिम छेड़ दिया है।

अपहरण मामले में जेल भेजा

पलामू। हुसैनाबाद थाना के कुसुआ गांव निवासी ष्यामबिहारी पासवान को देवरी आपी पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उक्त आरोपी पर कांड संख्या 95/013 अगस्त माह में भोला राम के अपहरन का मामला दर्ज किया गया था। उक्त आरोपी तब से फरार बताया गया है। अपहरीत भोला राम का सुराग अब तक नही मिल सका है। पुलिस छनबीन में जुटी हुई है।

मेधा परीक्षा में 46 छात्रों ने दी परीक्षा

पलामू। हुसैनाबाद के बालिका उच्च विद्यालय में राज्य मेधा, राज्य निर्धनता सह मेधा व राश्टिय मेधा में चयन के लिये रविवार को 46 छात्र षामिल हुये। राज्य मेधा से 18, राज्य निर्धनता सह मेधा 21 व राश्ट्रिय मेधा से सात छात्र शामिल हुये। परीक्षा में केंद्रधीक्षक के रूप में बीईओ रामनाथ श्रमिक ने छात्रों के बीच उपस्थित होकर परीक्षा षांति पूर्ण सम्पन्न करायी।

झलकियां

रियल्टी शो का आडिशन 12 को

जमशेदपुर। डांस का जज्बा हो, बॉलीवुड में नाम कमाने की चाह हो, तो ऐसे में 'डांस के धुरंधर' रियल्टी शो आपके लिए सटीक प्लेटफॉर्म साबित होगा। उक्त बातें केजी इंटरटेनमेंट प्रालि के निदेशक ई. राजेश कुमार सिंह ने कही। साथ में, ग्रैंड प्राइज जीतने का भी आपको मौका मिलेगा।

12 को गंगेश्वर व 13 को गणेश करेंगे नामंकन

जमशेदपुर। झारखंड विधानसभा चुनाव के उपर विस्तृत रूप में चर्चा करने के लिए भोजपुरिया बेयार की एक बैठक कन्हैया दुबे के आवास पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। सर्वसम्मति से तीन प्रत्यासियों की घोषणा की गई। बैठक में एकता विकास मंच के अध्यक्ष एके मिश्रा, बलराम शर्मा आदि शामिल थे।

बन्ना पर बेबुनियाद आरोप

जमशेदपुर। पश्चिम कांग्रेस प्रत्याशी प्रवक्ता प्रभात ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जमशेदपुर पश्चिम भाजपा प्रत्याशी सरयू राय मानसिक दिवालिये का शिकार हताशा प्रेस कॉन्फ्रेस के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी बन्ना गुप्ता पर बेबुनियाद और आधारहीन आरोप लगायी है, जो निंदनीय है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण 10 से

गम्हरिया। विधानसभा चुनाव के मद्येनजर आगामी सोमवार, 10 नवम्बर से गम्हरिया स्थित एसएस उच्च विद्यालय में मतदानकर्मियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उपरोक्त जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मी नारायण किशोर ने दी है।

वार्षिक पत्रिका 'मौसम' की कमिटी गठित

पलामू। हुसैनाबाद के छतरपुर रोड स्थित 'सक्सेस प्वाइंट' के सभागार में प्रबुद्ध लोगों की बैठक साहित्यिक संस्था 'मौसम' के अध्यक्ष विनोद सागर की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान वार्षिक पत्रिका 'मौसम'-2014-15 के लिए एक कमिटी गठित की गई। जिसमें प्रधान संपादक विनोद सागर, उपसंपादिका आरती विपथगा, प्रबंध संपादक डॉ0 रामकिंकर सिंहा, अतिथि संपादक गुलाम सरवर हाशमी, संपादन सहयोग विपिन बिहारी, प्रबंधन मनोज कुमार प्रजापति, मीडिया प्रमुख परमानंद चौधरी, डॉ0 मलय कुमार आदि को चुना गया।

समर्पण का नाम सरकार क्यों नहीं?

जसिन्ता केरकेट्टा

आजादी के 67 सालों में दामिन-इ-कोह में आदिम जनजाति पहाड़ियाओं को बचाने का जो काम सरकार नहीं कर सकी, वही काम मद्रास से आए फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड ;एफएमपीबी द्ध ने किया है। राजमहल की पहाड़ियों पर बसे पहाड़िया के किसी भी गांव में प्रवेश करने पर वे अपने गांवों में बदलाव के लिए सरकार का नाम नहीं लेते, बल्कि एफएमबीपी को श्रेय देते हैं। जिन गांवों में एफएमबीपी का प्रवेश हुआ है, वहां बदलाव की बयार बहती नजर आती है। उन जगहों में शिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति नजरिया बदला है। लोग अनुषासन में जीते नजर आते हैं। जीवन-स्तर बेहतर नजर आता है। यही नहीं, इन गांवों के बच्चे यहां से निकलकर इंजीनियर व मेडिकल तक की पढ़ाई कर रहे। दूसरी ओर लोगों के लिए, लोगों के द्वारा बनी सरकार लोगों के लिए नहीं है। समर्पण का नाम सरकार नहीं है।

छोटानागपुर क्षेत्र में पहाड़ों व जंगलों में बसे आदिवासियों के लिए जो काम जेसुईट मिशनरी फादर कॉन्सटेंट लीवंस और गोस्सनर मिषन द्वारा भेजे प्रथम चार मिषनरियों ने किया, कुछ ऐसा ही काम एफएमपीबी के मिशनरी साहेबगंज के पहाड़ियाओं के लिए करते नजर आते हैं। वर्ष 1980 में पहली बार एफएमपीबी मिशनरी जयराज साहेबगंज आए थे। पहाड़ों में घूमने के क्रम में उन्होंने मलेरिया से पहाड़ियाओं के कई गांव खत्म होते, लोगों को मरते हुए देखा। कहा जाता है 30-40 साल पहले के आंकड़े बताते हैं पहाड़ियाओं की संख्या दस लाख थी। आज एक लाख भी नहीं होगी। पहाड़ियाओं के बीच काम करने के दौरान ही जयराज और उनके परिवार के एक सदस्य की मौत मलेरिया से हो गई। उनकी मृत्यु के बाद एफएमपीबी और दूसरे मिशनरियों का ध्यान इस ओर गया। इसके बाद उन्होंने पहाड़िया गांवों को अपना कार्य क्षेत्र बननाने का निर्णय लिया। इन 34 सालों में पहाड़िया गांवो की तस्वीर बदली है।

पहले बीमारियों को डायन-बिसाही का प्रकोप समझने वाले और झाड़-फूंक कराने वाले लोग आज स्वयं डॉक्टर्स के पास जाते हैं। बांस, लकड़ी बेचने के अलावा वे धीरे-धीरे धान की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। अंग्रेजी स्कूलों से निकल कर कई पहाड़िया बच्चे आज इंजीनियरिंग व मेडिकल की पढ़ाई कर रहे। गांवों में पहाड़ियाओं का संगठित रूप भी देखने को मिलने लगा है। हर रविवार को ईसाई बने पहाड़िया एक जगह जुटते हैं। प्रार्थना करते हैं और फिर गांव की समस्याओं पर चर्चा भी करते हैं। सबसे बड़ी बात यह हुई है कि जिन गांवों में एफएमपीबी का प्रवेश है, वहां के लोगों ने शराब पीना छोड़ दिया है। पर्व-त्योहारों में रीति - रिवाज के अनुसार इसका हल्का सेवन भर करते हैं। अब अपनी कमाई शराब में उड़ाने के बाजाय बैंक में जमा कर रहे हैं। अनजाने लोगों को गांव में देखकर उनसे भागते नहीं, न ही उन्हें दुत्कारते हैं। लोगों से उनके आने का कारण व मकसद पूछते हैं। वे बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति काफी जागरूक हुए हैं।

साहेबगंज से करीब 40 किलोमीटर दूर मंडरो प्रखंड के खेखा पंचायत का एक गांव है अमड़ाकेडो। बिल्कुल पहाड़ों के बीच बसा हुआ। 25-26 साल पहले यहां एफएमबीपी का प्रवेश हुआ था। आज इस गांव का नजारा बिल्कुल बदला हुआ है। गांव के लोग इस परिवर्तन के लिए सरकार का नाम नहीं लेते हैं। उनकी जुबान पर एफएमपीबी का नाम है। गांव की संजू पहाड़िया कहती हैं कि एफएमपीबी के आने के बाद ही बदलाव आया हैं। गांव वाले अब नशा नहीं करते, पहले वे दारू पीकर यहां-वहां पड़े रहते थे। मलेरिया से बचाव के लिए वे पहाड़ों पर भी मच्छरदानी का प्रयोग करते हैं। पानी छानकर व उबालकर पीते हैं। लोग अपने हक-अधिकार के प्रति सड़क पर भी उतरने लगे हैं। गांव में सबके पास वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड है।

अमड़ाकेडो गांव में एफीकोर नामक संस्था के कार्य देखने को मिलते हैं। संस्था में अधिकांष सदस्य दक्षिण भारत के ही हैं। उन्होंने स्वच्छता, स्वास्थ्य व सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने में अपनी अहम भुमिका निभाई है। इतना ही नहीं आस-पास के गांवों में आजीविका के लिए मषरूम की खेती से लोगों को जोड़ा है। गांव की सुनिता पहाड़िया कहती हैं कि मषरूम की बिक्री से अच्छी कीमत उन्हें प्राप्त होती है। जिससे बच्चों की बेहतर षिक्षा में अभिभावक खर्च कर पाने में सक्षम होते हैं। इतना ही नहीं आजीविका के नए रास्ते खुलने से गांव में पलायन, बेरोजगारी कम हुए हैं। यह संस्था अन्य पहाड़िया इलाकों में भी उनके आजीविका के नए साधन विकसित करने के प्रयास में जुटी है।

बरहेट प्रखंड के अरगौड़ी नीचे टोला गांव की सुरजिया पहाड़िया भी बताती हैं कि सरकार इतने सालों में गांवों में बदलाव नहीं ला पायी, पर यह काम एफएमपीबी ने कर दिखाया है। दूसरे लोग कभी नहीं चाहते हम बदलें, ताकि वे हमारे नाम का पैसा खाते और मोटे होते रहें। बदलाव के लिए समर्पण चाहिए जो सरकारी अधिकारियों में नहीं है।

पहला आवासीय इंग्लिश मीडियम स्कूल : जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर पेंडेनी गांव में पहाड़िया बच्चों के लिए एक आवासीय इंग्लिश मीडियम स्कूल है। यह स्कूल एफएमपीबी द्वारा 1995 में खोला गया। इसमें साहेबगंज, पाकुड़ और गोड्डा जिले के पहाड़िया बच्चे पढ़ते हैं। यह जिले का एकमात्र पहाड़िया इंग्लिश मीडियम स्कूल है। यहां बच्चों की संख्या 173 है। इसमें दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई होती है। तीन मिशनरी परिवार स्कूल कैंपस में रहकर बच्चों की देख-भाल करते हैं। 10 शिक्षक-शिक्षिकाएं हैं। कुल 25 स्टाफ शिक्षा देने, छात्रावास देखने व अन्य कामों में लगे हुए हैं। इस स्कूल से दस बैच ने मैट्रिक की परीक्षा दी है। यहां से निकले बच्चे एफएमबीपी के सहयोग से इंजीनियरिंग कर रहे, कुछ मेडिकल क्षेत्र में गए हैं। स्कूल में ज्यादातर ऐसे बच्चे हैं, जिनके माता-पिता में से कोई एक नहीं, जो अनाथ हैं या अत्यंत गरीब हैं। जबकि सरकारी स्तर पर पहाड़िया बच्चों की उच्च शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। कॉलेज करने वाले बच्चों को छात्रवृति मिलती है। जो उनके लिए पर्याप्त नहीं है। इंटर में पड़ने वाली छात्रा सारा पहाड़िया कहती हैं कि दो हजार रूपये एक बार मिले थे। जिससे किताब-कॉपी, ट्यूशन फीस में पैसे खर्च हो गए। अलग से कोई प्रशिक्षण लेना चाहे तो घर से कोई आर्थिक सहयोग नहीं है। इंटर में ही पढ़ रही ब्योला माल्टो कहती हैं कि आठवीं के बाद सीधी नियुक्ति होनी है। हमने मैट्रिक में सीधी नियुक्ति के लिए निकला फॉर्म भरा था। लोगों ने कहा ग्रेजुएशन वालों को पहले लिया जाएगा। तब हम इंटर की पढ़ाई करने लगे। नर्स ट्रेनिंग, कंप्यूटर ट्रेनिंग कुछ भी करना चाहते हैं लेकिन इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। जिला कल्याण विभाग पहुंचकर दोनों छात्राओं ने जिला कल्याण पदाधिकारी ललिता मिंज से सहयोग मांगा लेकिन उन्होंने कहा उच्च शिक्षा या प्रशिक्षण के लिए कोई सरकारी योजनाएं नहीं हैं। हम कुछ नहीं कर सकते हैं। दूसरी ओर, पेंदनी गांव तक बनी सरकारी पीसीसी पथ की हालत देख गांव-गांत तक पहुंचने की सरकार की प्रतिबद्धता की हकीकत नजर आ जाती है। गांव तक पहुंचने वाली पीसीसी पथ का आधा से अधिक हिस्सा जर्जर है। वैसे, सरकारी कागजों में गांवों को जोड़ने वाले सभी पीसीसी पथ पूर्ण दिखाए गए हैं। वर्ष 2012-13 में 10 पीसीसी पथ के लिए डेढ़ करोड़ रूपये आवंटित थे। इसमें 1 करोड़ 12 लाख की राशि खर्च की गई।

पहाड़ पर बना पहाड़ियाओं का अस्पताल : बरहेट प्रखंड के चंद्रगोड़ा में पहाड़ियाओं के लिए अलग पहाड़िया अस्पताल है। वहां पहाड़िया लड़कियां भी बतौर नर्स काम कर रही हैं। यहां पहाड़िया परिवारों के लोगों का ईलाज चलता है। उनके साथ कई अन्य लोग भी यहां आते हैं। अस्पताल बनने से पूर्व चंद्रगोड़ा के पहाड़ पर ही डिस्पेंसरी बनाकर लोगों का ईलाज किया जाता था। 2007 में प्रेम ज्योति सामुदायिक अस्पताल खोला गया। जहां हिंदी के साथ पहाड़िया भाषा में भी नर्से लोगों की समस्याएं पूछती हैं। डॉक्टर्स चेन्नई से आकर ईलाज करते हैं। अस्पताल में ग्रामीणों की भीड़ देखी जा सकती है। मलेरिया जोन कहलाने वाले क्षेत्र में जहां सरकार इस बीमारी से पहाड़ियाओं को बचाने में असमर्थ है, वहीं यह अस्पताल पहाड़ियाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। लोगों में जीने की उम्मीद जगाने व समस्याओं से लड़कर बेहतर कल बनाने के सपने दिखाने वाले मिषनरियों में एक विजन है और समर्पण है फिर लोगों का वोट बटोरकर सत्ता तक पहुंचने वाली सरकार का नाम समर्पण क्यों नहीं ? यह सवाल गांव के प्रत्येक वोट देने वाले व्यक्ति की आंखें पूछती हुई नजर आती हैं।

सीएसडीएस द्वारा प्रदत इनक्लूसिव मीडिया यूएनडीपी फेलोशिप के तहत रिपोर्टिंग

बसपा का झंडा लगा वाहन जब्त

पलामू। क्षेत्र भम्रण के दौरान निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ उदयकांत पाठक ने बिना परमिषन लिये बहुजन समाज पार्टी का झंडा लगे बोलेरो को जब्त किया। श्री पाठक ने वाहन को पकड़कर हैदरनगर थाना को देते हुये उक्त वाहन मालिक व प्रत्याषी के विरूद्ध जांच कर मामला दर्ज करने का निर्देष दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी भिखारी राम ने कहा कि वाहन के कागजों की जांच की जा रही है। दोशी पाये जाने पर मामला दर्ज किया जायेगा।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम से मनायेंगे

पलामू। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की बैठक उदय राम की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में हुई। इसमें आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धुमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि उक्त दिन सुबह में जिला कार्यालय से एक जुलूस निकाली जायेगी, जो षहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए रेलवे स्टेषन पहुंचेगी। जहां अवस्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण के कार्यक्रम होंगे। इसके उपरांत एक विचारगोश्ठी भी आयोजित की जायेगी। इसके अलावा मोर्चा के जिला कार्यालय, बारालोटा में भाशण प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर मोर्चा के अध्यक्ष उदय राम ने अपने संबोधन में कहा कि 15 नवंबर, 2000 को ही झारखंड राज्य का निर्माण हुआ था, लेकिन इन 14 वर्शों में राज्य का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। झारखंड से प्रतिदिन मजदूरों व बेरोजगारों का पलायन होता है, किंतु यहां के जनप्रतिनिधि राज्य में लूट मचाने में लगे हैं। यहां रोजी-रोटी व अषिक्षा की समस्या काफी विकराल है। बैठक के अंत में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति कराने की मांग को लेकर चलाये जा रहे आंदोलन की समीक्षा की गई और आंदोलन को तेज करने पर विचार किया गया। इस मौके पर राधामोहन सिंह, धर्मदेव राम, दुखी राम, मो अंसारी, मो0 इमरान अहमद, भीम राम, विजय कुमार राम, उमेष कुमार, प्रदुम्न तिवारी, कौषल कुमार पासवान, संजय तिवारी, बिहारी राम, लोकनाथ प्रसाद, सुनील कुमार, प्रेम कुमार आदि उपस्थित थे।

मतदाता सूची विखंडन का किया जा रहा कार्य

गम्हरिया। प्रखंड कार्यालय की ओर से आगामी दो दिसम्बर को होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी युद्धस्तर पर प्रारम्थ कर दी गई हैं। इसके तहत शनिवार को प्रखंड परिसर स्थित सामुदायिक भवन में मतदाता सूची को अंतिम रुप देने का कार्य शुरु किया गया। इस मौके पर उपस्थित पंचायती राज पदाधिकारी सह सहायक निर्वाची पदाधिकारी शिव शंकर ठाकुर ने बताया कि गम्हरिया प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में 65 तथा शहरी क्षेत्रों में 32 समेत कुल 97 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। वर्तमान में मतदाता सूची विखंडन का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। मतदान केन्द्रों व सूची का प्रतिवेदन तैयार कर इसे जिला कार्यालय को भेजा जाएगा। इस मोके पर मिथिलेश कुमार सिन्हा, संजय कुमार झा समेत कई कर्मचारी शामिल थे।

यूथ फेस्टिवल फेस्ट्रोनिक्स विजेता पुरस्कृत

गम्हरिया। एक्सआईटीई गम्हरिया मेंयुथ फेस्टिवल फेस्ट्रोनिक्स के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के सहायक कुल सचिव मुरारी मिश्रा उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को समाज में गरिमा एवं एक 'स्टेटस' प्रदान करती है।

अतः विद्यार्थियों को शिक्षा के पीछे-पीछे दौड़ना चाहिए। इस मौके पर संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई।

निर्णायक मंडली में केपीएस, गम्हरिया की प्राचार्या रश्मि सिन्हा, विद्या ल्योति स्कूल की अनिनदर कौर, वरिन्दर कौर, एक्सआईटीई के डीन फादर अंथोनी कैसल्टन, डाफ0 हिलेरी लोबो, प्रो0 निशिथ, सोनिया, संचिता, रानी सुषमा, सन्नी केरकेट्टा, मुरली मनोहर, नवल नारायण तथा प्राचार्य फादर जोसेफ सुरीन आदि शामिल थे।

इसके आयोजन में एक्सएलआरआई के निदेशक फादर अब्राहम, जेवियर इन्स्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंअ, जबलपुर के निदेशक फादर पंका टोप्पों, संस्थान के प्रशासक फादर स्टेनी, टायो रॉल्स के प्रबंध निदेषक के0 शंकर मरार आदि का सराहनीय योगदान रहा।

उपायुक्त का कार्यालय, लोहरदगा
(निर्वाचन-शाखा)
आम सूचना

विधान सभा निर्वाचन, 2014 के अवसर पर निर्वाचन/विधि व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं के अनुश्रवण/ज्ञापन हेतु समाहरणालय, नजारत शाखा में जिला निर्वाचन नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। यह नियंत्रण कक्ष 24 X 7 कार्यरत है। निर्वाचन/विधि व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाये नियंत्रण कक्ष में दी जा सकती है।

प्रभारी पदाधिकारी, नियंत्रण कक्ष	सुश्री छन्दा भट्टाचार्य, कार्यपालक दण्डधिकारी, लोहरदगा – 9431342141
नियंत्रण कक्ष का दूरभषा संख्या	06526–222513

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह– उपायुक्त, लोहरदगा

P.R.118823(Lohardaga)14-15

समाहरणालय, सिमडेगा
(कार्मिक कोषांग, सिमडेगा)
प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आसन्न विधान सभा चुनाव 2014 में दिनांक 07.11.2014 एवं 08.11.2014 को आयोंजित प्रशिक्षण में जो कर्मी यथा पीठासीन पदाधिकारी, मतदान पदाधिकारी 1, 2, 3 उपस्थित नहीं हुए हैं। वे सभी कर्मी दिनांक 10.11.2014 को दिन सोमवार को पूर्वाह्न 10.00 बजे एस0एस0 +2 बालक उच्च विद्यालय, सिमडेगा में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। इस प्रथम चरण के अंतिम निर्धारित प्रशिक्षण तिथि को अनुपस्थित पाये जाने पर कर्मियों के विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, सिमडेगा

P.R.118826(Simdega)14-15